BIHAR STATE COUNCIL
COMMUNIST PARTY OF INDIA
भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
बिहार राज्य परिषद
Phone : 52249
51675
AJOY BHAWAN, PATNA-800004

Date..22.3.1983.....

Com. Yellamenda Reddy.

Dear Comrade,

Herewith enclosing copy of a press report regarding bonded labourers from Bihar in Gujrat.

It will be good if Com. Kodiyan visits Gujrat, raises the matter in Parliament.

Com. Suraj Prasad along with some BKMU comrade from Bihar should also visit Gujrat and should help to organise suitable mass actions.

The aforesaid comrades should assist the Gujrat comrades to build up organisation of BKMU as well.

Yours fraternally,

(Jagannath Sarkar)

Enclo:
Press-cutting.

Copies to:-
Com. P.K.Kodiyan, Delhi
Com. Suraj Prasad, Delhi
Com. Bhola Prasad, Patna.
Com. Kameshwar Singh, Madhepura.

INDIAN NATION, 27 March, 1983.

125 BIHARI BONDED LABOURERS RESCUED FROM GUJRAT.

MADHEPURA, March 21(PTI): Several hundred poor people of Bihar working as bonded labourers in Gujarat were being beaten mercilessly by their proprietors, according to the District Magistrate of Madhepura, Mr. Mithilesh Kumar.

Talking to newsmen here on last Thursday, Mr. Kumar said that when this incident was raised at a meeting of the National Integration and Citizens Council here recently, the Superintendent of Police of Madhepura, Mr. A.K. Upadhyay was sent to Gujarat to find out the truth. As many as 125 poor people of Madhepura working as bonded labourers at Rajkot in Gujarat were rescued by the S.P. Merciless beating of bonded labourers and obtaining of forged signatures on payment bills by their proprietors were also detected by the S.P., Mr. Kumar added.

The District Magistrate said that large number of bonded labourers were traceless there. The State Government had been informed about it, he added.

Mr. Kumar said, found that for wages, contractors severely beat up the labourers to force them to put their thumb impressions on forged bills of payment .

6/12/82

राम कृष्ण चौधरी

मधुपुर (सं० प०)

संवाददाता :—
दैनिक जनशक्ति - पटना

For attention Com
KHET MAZDOOR
& Dept for appropriate
action. Please report
to central secretariat
what steps are taken.
Jagannath Sarkar
2/1/83

दिनांक ....

कॉ०

मंत्री जी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी,

अजय भवन नई दिल्ली

सेवा में

धनबाद से प्रकाशीत दैनिक "आवाज" की ५ दिसम्बर १९८२ की कटींग भेज रहा हूं।

मैं १९८१ एवं इस वर्ष १९८२ में उत्तर प्रदेश एवं हरीयाना, पंजाब, की ओर गया था तो रास्ते में जसीडीह बनारस, इलाहाबाद, इत्यादि स्टेशनों पर देखा हजारों मजदूर अधनंगा अवस्था में हरीयाना, पंजाब की ओर जा रहे थे। पुछताछ करने पर पता चला था की बिहार के समस्तीपुर, सितामढ़ी, खगड़ीया, बेगुसराय जिला के लोग काम खोजने जा रहे हैं।

अतएवं यदि आवश्यकता समझें तो जांच करा कर जो कुछ भी हो कीया जाय आप के जानकारी के लिए भेज रहा हूं।

क्रान्तीकारी अभीनन्दन

रामकृष्ण चौधरी
११-१२-८२

पंजाब में रांची के हजारों

बन्धुआ मजदूर

लोहरदगा, ८ दिस. । पंजाब से भागकर आए हुये रांची जिले के आदिवासी मजदूरों ने यह रहस्योद्घाटन किया है कि पंजाब और हरियाणा राज्यों में रांची जिले के हजारों आदिवासी बंधुआ मजदूर के रूप में रखे गए है।

उन मजदूरों जो पहले जैसे नहीं रह गए थे और जिनकी आकृति सिखों जैसी हो गई थी, ने बताया कि इस क्षेत्र के सभी मजदूरों को सिखों जैसी वेष भूषा में रहने को बाध्य किया जाता है और उन्हें बाल बढ़ा कर पगड़ी बांधनी पड़ती है। मजदूरों ने बताया कि पंजाब और हरियाणा क्षेत्र में मजदूरों का भारी अभाव है और यहां से काम करने गए मजदूरों को जबरन वहां रहने को बाध्य किया जाता है और वहीं की निम्न जातियों की लड़कियों से बिवाह कर घर बसाने पर मजबूर किया जाता है। घर लौटने की इच्छा प्रकट करने पर उन्हें धमकी दी जाती है। यद्यपि खाने पीने की कोई तकलीफ नहीं है तथापि दिन रात तक काम पर जुटे रहना पड़ता है और इससे शरीर तथा मन पर काफी तनाव सहना पड़ता है।

इन आदिवासी मजदूरों जिन्हें अपनी भाषा में बोलने में कठिनाई हो रही थी और बड़ी आसानी से गुरुमुखी बोल लेते थे, ने बताया कि पंजाब के स्थानीय मजदूरों को दैनिक या साप्ताहिक मजदूरी दी जाती है पर उन्हें कोई मजदूरी नहीं मिलती। केवल यह आश्वासन मिलता है कि उनकी मजदूरी के पैसे जमा हो रहे हैं और आवश्यकता पड़ने पर दिए जाएंगे। पंजाब से पलायन कर पहुंचे मजदूरों ने बताया कि उन्हें घर का मोह इतना सताने लगा था कि चुपचाप भागकर यहां आना पड़ा।